महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

गांधी, जयप्रकाश के आंदोलन का जापान में भी प्रभाव- इरि कीकुचि

वर्धा दि. 30 अक्टूबर 2012: जापान के हिरोसाकी विश्वविद्यालय की शोधार्थी तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में शिक्षणरत छात्रा इरि कीकुचि का कहना है कि आचार्य विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण ने सर्वोदय आंदोलन के माध्यम से जो कार्य भारत में आरंभ किया था, उसका प्रभाव जापान में दिखायी पडता है। वहां के हुजी निताशु जो जापान के बुद्धिस्ट थे, ने निपोनज़ान मेहोजी नामक संगठन के माध्यम से तथा इकेदा हकोबु ने समन्वय आश्रम व जयप्रकाश नारायण के आश्रम में 6 वर्ष बिताकर सर्वोदय आंदोलन तथा विनोबा भावे के भूदान आंदोलन को बढ़ावा दिया था। यह बात उन्होंने अकोला स्थित शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय चर्चासत्र के उदघाटन समारोह में कही।

सुश्री इरि कीकुचि कुछ महीनों से वर्धा में हिंदी पढ़ने आयी हुई हैं तथा उसने जापान में हिरोसाकी विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते समय 1950 से 1970 के दशकों में जापान के लोगों ने सर्वोदय आंदोलन को किस प्रकार सहयोग किया, इसपर अध्ययन किया है। इरि उसपर और आगे अनुसंधान भी कर रही है। उन्होंने बताया कि इकेदा हकोबु ने आश्रम में रहते हुए जापान के कुछ कृषि वैज्ञानिकों को निमंत्रित किया था जिससे वहां के वैज्ञानिक आश्रम की गतिविधियों और प्रयोगों पर अमल कर उसे अपने देश में भी लागू कर सकें। इकेदा हकोबु जापान में हिंदी अनुवाद का कार्य कर रहे हैं और उन्होंने गांधीजी संबंधी साहित्य, सर्वोदय आंदोलन तथा हिंदी साहित्य का भी अनुवाद किया है। भारत-जापान में सर्वोदय के बहाने प्रगाढ़ हुए संबंधों का जिक्र करते हुए इरि ने कहा कि इकेनोया युरिको भी एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने 60 के दशक से भूदान आंदोलन में सक्रिय भूमिका अदा की है। सुगियामा तत्सुमारू ने जापान में गांधी दर्शन को चाहनेवालें लोगों को गांधी के कृषि संबंधी विचारों को अवगत कराया है तथा वह सिरेमिक और हस्तकला के बारे में भी लोगों को बताते रहे। इरि बताती हैं कि अभी वह गांधी के सर्वोदय आंदोलन पर अनुसंधान करना चाहती हैं। 1960 के बाद सर्वोदय आंदोलन किस प्रकार से विकसित हुआ और हाल ही में गांधी अनुयायी उसे किस प्रकार से संचालित कर रहे हैं। साथ ही आधुनिक भारत के विकास के बारे में गांधी क्या सोचते थे और वह सोच आज भी कितनी प्रासंगिक है, इसपर इरि अनुसंधान करना चाहती हैं।

1. उदबोधन देती इरि कीकुचि,

2. मंचस्थ अतिथि,

3. महात्मा गांधी, डॉ. आंबेडकर व पं. नेहरू पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन समारोह,

4 चर्चासत्र में उपस्थित विवि के विद्यार्थी तथा प्रतिनिधि,

शिवाजी महाविद्यालय, अकोला के प्रिंसिपल डॉ. एस.जी. भडांगे, प्रो. एच. एम. देसरडा के साथ विवि के विदेशी छात्र व जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी